B. A. LLB. (Hons.) 5 Year Course 5th Semester
(w.e.f. Dec-2019) Examination, December–2022
HINDI-III
Paper : 1745 A
(w.e.f. Dec-2022)

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 80*

नोट : निर्देशानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'राम की शक्तिपूजा' कविता के काव्यसौष्ठव पर प्रकाश डालिए। 14

अथवा

'कुकुरमुत्ता' कविता की मूल संवेदना को विस्तार से लिखिए।

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 7+7=14

(क) अरे वर्ष के हर्ष!
बरस तू बरस-बरस रसधार!
पार ले चल तू मुझको,
बहा दिखा मुझको भी निज
गर्जन-गौरव्-संसार!

अथवा

धन्ये, मैं पिता निरर्थक था,
कुछ भी तेरे हित न कर सका।
जाना तो अर्थागमोपाय,
पर रहा सदा संकुचित-काय
लखकर अनर्थ आर्थिक पथ पर
हारता रहा मैं स्वार्थ-समर।

(ख) देखते देखा मुझे तो एक बार
उस भवन की ओर देखा, छिन्न तार;
देखकर कोई नहीं,
देखा मुझे उस दृष्टि से
जो मार खा रोयी नहीं

अथवा

आम की यह डाल जो सूखी दिखी,
कह रही है- अब यहाँ पिक या शिखी
नहीं आते, पंक्ति मै वह हूँ लिखी
नहीं जिसका अर्थ-
जीवन दह गया है।

3. संतकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का विस्तार से वर्णन करें। 14

अथवा

छायावाद की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

4. स्त्री विमर्श और हिन्दी साहित्य अथवा भारतीय नवजागरण और हिन्दी साहित्य विषय की बिस्तृत एवं तार्किक अभिव्यक्ति करें। 14

5. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी के अंक समान हैं : 8×3=24

(क) 'बादल राग' कविता की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) 'सरोज स्मृति' में कवि की किस व्यथा का वर्णन है ?

(ग) 'तोड़ती पत्थर' कविता का सार लिखिए।

(घ) 'स्नेह निर्झर बह गया है' की मूल संवेदना बताइये।

(ङ) रीतिकाल की दो प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

(च) प्रगतिवाद किस प्रवृत्ति को दर्शाता है ?

(छ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को हिन्दी साहित्य का युगप्रवर्तक क्यों कहा जाता है ?

(ज) 'सूरदास' का कृष्णकाव्य परम्परा में स्थान निर्धारित कीजिए।

https://www.mdupapers.com